Aug 16, 2021Toota pahiya 3

इतिहास - ചരിത്രം , **History**
सामूहिक - समूह से संबंधित
सहसा - പെട്ടെന്ന് **Suddenly**
झूठी पड़ जाना - തെറ്റായി മാറുക
सच्चाई - Truth സത്യം

प्रतीक	किसका प्रतिनिधित्व करता है
अभिमन्यु	धर्म के पक्ष में खड़े रहनेवाला
टूटा पहिया	लघु मानव
महारथी	अधर्मी, अन्यायी और शोषक
चक्रव्यूह	समस्याएँ
अक्षौहिणी सेना	महाशक्ति
ब्रह्मास्त्र	महाशक्ति

इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड़ जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले!

इतिहासों की सामूहिक गति सहसा झूठी पड़ जाने पर क्या जाने सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले!

- इन पंक्तियों से कवि क्या बताना चाहते हैं?

इतिहास की सामूहिक गति जब सत्य और धर्म को छोड़कर असत्य और अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है,तब सत्य और धर्म की स्थापना केलिए सच्चाई को टूटे पहिए का आश्रय लेना पड़ेगा। चक्रव्यूह में फँसे अभिमन्यु केलिए टूटा पहिया जिस प्रकार सहारा बना, उसी प्रकार समाज में मानव मूल्य के संरक्षण केलिए टूटा पहिया जैसा लघु या उपेक्षित मानव ही सहारा बनेगा।

1. **किसकी गति असत्य की ओर जाने की संभावना है?**

   इतिहासों की सामूहिक गति।

2. **'इतिहास की सामूहिक गति कभी - कभी झूठी पड़ने लगती है'।इसका मतलब क्या है?**

   कभी-कभी कोई पक्ष दूसरे पक्ष पर अन्याय करता है, अधर्म करता है।तब सत्य या धर्म के पक्ष को सहारा या आश्रय मिलना चाहिए।

3. **सच्चाई को किसका आश्रय लेना पड़ता है?**

   टूटे पहिए का।

कविता पर टिप्पणी लिखते वक्त ध्यान देने की बातें।

"टूटा पहिया" कविता पर लिखी इस टिप्पणी की पूर्ति करें।

धर्मवीर भारती हिंदी के महान कवि हैं। टूटा पहिया महाभारत के एक प्रसंग पर लिखी कविता है। कौरव पक्ष के महारथी जानते थे कि अपना पक्ष असत्य का है। फिर भी उन्होंने चक्रव्यूह में फँसे अभिमन्यु की निहत्थी आवाज़ को ब्रह्मास्त्रों से कुचल डालना चाहा। तब अभिमन्यु ने एक टूटे पहिए से ब्रह्मास्त्रों से लोहा लिया था। यहाँ टूटा पहिया कहता है कि उसी प्रकार में किसी निरायुध के हाथ में आकर ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ।

इतिहास की सामूहिक गति जब असत्य और । अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है, तब सत्य और धर्म की" स्थापना के लिए सच्चाई को टूटे पहिए का आश्रय लेना पड़ेगा।यहाँ टूटा पहिया कहता है कि उसी प्रकार शोषकों के अत्याचार के विरुद्ध लड़नेवाले को टूटा पहिया यानी लघु या उपेक्षित मानव ही सहारा

बनेगा।……..

यह वर्तमान परिवेश में लिखी कविता है। प्रस्तुत कविता में अनेक प्रतीक भी हैं।……..